(2-)अद्वैत वेदान्त के दृष्टिकोणों का तुलनात्मक चित्रण
(on January 16, 2019) अद्वैत वेदान्त के प्रस्थान

1 स्वप्न का अधिष्ठान कौन ?
भामतीमते-अहंकार से अवच्छिन्न चैतन्य।
विवरणमते-बिम्बचैतन्य।

2 स्वप्न का उपादान कारण कौन ?
(१)भामतीमते-मन।
(२)विवरणमते-अविद्या

3 भ्रम का अधिष्ठान कौन ?
(१)भामतीमते- ईदमाकारवृत्ति से अवच्छिन्न चैतन्य।
(२)विवरणमते- इदमंशावच्छिन्न चैतन्य।

4 जीव एवं ब्रह्म का सामानाधिकरण्य कौन सा ?
(1)भामतीमते-बाधसामानाधिकरण्य ।
(२)विवरणमते- मुख्यसामानाधिकारण्य।

5 मोक्ष का स्वरूप क्या है ?
(१)भामतीमते-अविद्या की निवृत्ति।
(२)विवरणमते-आत्मरूप में अवस्थिति।

6 प्रातिभाषिक-पदार्थो के बाध का स्वरूप कैसा ?
(१)भामतीमते- तुलाविद्याकार्यं,अधिष्ठानतत्वसाक्षात्कारेन सोपादानकनाशरूपोबाध:
(२)विवरणमते-राजतादिमात्रनिवृत्ति,मुद्गरप्रहारेण घटस्य इव,न तू उपदानस्य मूलाज्ञानस्य नाश:।तस्य ब्रह्मसाक्षात्कारनिवर्त्यत्वात् ।

[अद्वैतनवनीतम् 40]

7 जीव का एकत्व है या अनेकत्व ?
(१)भामतीमते-वाचस्पतिमते जीवैकत्वं
(२) विवरणादिमते -विवरण,वार्तिक,शारीरककाराणाम् मते जीवनाना

[अद्वैतनवनीतम् 12]

12 विषयों के आवरक अज्ञान का आश्रय कौन? (१)भामतीमते - जीवाश्रित अज्ञान
(२) विवरणमते -विषयाधिष्ठानगत अज्ञान

8 विषयप्रकाशक कौन है ?
(१)भामतीमते-प्रकाशकत्वं जीवचैतन्यस्यैव - स्वीक्रियते। तच्च एकीभावद्वारकमेवेति (२)विवरणमते-साक्षात् ब्रह्मचैतन्यप्रकाशकत्वेनावरणाभि- - भवार्थत्व-पक्षो विवरणाचार्याणाम्

[वेदांतपरिभाषा a.k.s.101]

9 जीव एवं ईश्वर की उपाधियाँ किस तरह की है?

(१)भामतीमते- घटाकाशवद् अंतःकरणावच्छिन्ना जीवा:
तदनवच्छिन्न ईश्वर:

(२)विवरणमत- अज्ञानप्रतिबिम्बस्यान्तःकरणरूपाज्ञानप- - रिणामभेदो विशेषभिव्यक्तिस्थानं - सूर्यातपस्य दर्पण इवेति विवरणपक्ष:।

[अद्वैतनवनीतं 53-54]

10 आवरणाभिभव का स्वरूप कैसा है ?

(१)भामतीमते-चैतन्यमात्रावारकस्याज्ञानस्यैकदेशेन वृत्या - नाश: ।

(२)विवरणमते- कटवत्संवेष्टनम्भितभटवत् - अपसरणं वावरणाभिभव:

【तत्र प्रथममतम् अज्ञानस्य जीवाश्रयत्वपक्षावलम्बनात् वाचस्पतिमिश्रानुयायिनाम् अपरे तु विवरणानुयायिनाम् 】

(V.P. a.k.s.भूमिका 92-93)

11 श्रवणादि में विधिवाद ?

(१)भामतीमते -विधि नही है ।

(२) विवरणमते- विधि है